21 / 03 / 83 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

गीता पाठशाला चलाने वाले भाई बहनों के सम्मुख
अव्यक्त बापदादा के महावाक्य की अनुभूति

➢➢ मैं सदा सेवा के उमंग उत्साह में रहने वाली चैतन्य ब्राह्मण आत्मा हूँ।

➳ _ ➳ परम पिता, परम आत्मा की बच्ची महान आत्मा हूँ।

→ बाप को अपना बनाने वाली योग्य आत्मा हूँ।

→ बापदादा के नयनो में समायी हुई नयनो की नूर हूँ।

→ सर्व प्रकार की अधीनता समाप्त करने वाली बाप की अधिकारी आत्मा हूँ।

→ भारत का उद्धार करने वाली भारत माता शक्ति अवतार हूँ।

◆ बापदादा भी मेरे श्रेष्ठ तकदीर को देख हर्षित हो रहे है।

● वाह: मेरी श्रेष्ठ तकदीर वाह: !

➳ _ ➳ मैं शीतल सागर के कंठे पर बैठी

→ सागर की शीतल लहरों में

◆ अतीन्द्रिय सुख, शांति की प्राप्ति में समायी हुई...

● ख़ुशी अनुभव कर रही हूँ।

➢➢ कांटों के जीवन से निकल श्रेष्ठ जीवन मे आ गयी हूँ।

➳ _ ➳ सदा सर्व के प्रति रहमदिल बनती जा रही हूँ।

→ घर घर सेवा केंद्र बनाने के निमित्त बनती जा रही हूँ।

→ प्रवृति संभालते सेवा की जिम्मेदारियों को संभाल रही हूँ।

◆ बहुत अच्छे और श्रेष्ठ सेवा के लक्ष्य को लेकर चल रही हूँ।

➳ _ ➳ हर घर मे ब्राह्मण आत्मा

➳ _ ➳ हर गली, हर मुहल्ला, हर गांव में ज्ञान स्थान

→ इसी श्रेष्ठ लक्ष्य को लेकर इसे पूरा होता हुआ देख रही हूँ।

◆ सदा सेवा में बिजी रहने वाली मायाजीत बनती जा रही हूँ।

➢➢ हर घर मे चैतन्य ब्राह्मण आत्मा

➳ _ ➳ गली गली में ज्ञान स्थान स्थापित कर

→ प्रत्यक्षता का झंडा लहरा रही हूँ।

◆ बापदादा मेरी हिम्मत को देख मुझे मुबारकबाद दे रहे है।

◆ और मुझे सदा मदद लेते हुए आगे बढ़ने की शुभ आशीर्वाद भी दे रहे है।

➳ _ ➳ मैं महान योग्य आत्मा

→ घर घर मे दीपक जलाकर

→ दीपावली मनाकर

◆ इनाम की हकदार बन गयी हूँ।

➳ _ ➳ बापदादा मुझ हिम्मतवान सेवाधारी बच्ची की हिम्मत को देख देख खुश हो रहे है कि

→ पवित्र प्रवृति का सबूत दिखाते हुए

→ हद के घर को बाप की सेवा स्थान बनाने वाली

◆ सपूत बच्चे का प्रत्यक्ष पार्ट बजा रही हूँ।

➳ _ ➳ मैं ब्रह्मा बाप को फॉलो करने वाली शिव शक्ति माता

→ सदा एक बाप दूसरा न कोई - इसी अनुभव में सदा रहने वाली

→ सर्व को आगे बढ़ाते हुए आगे बढ़ने वाली

◆ बाप समान श्रेष्ठ आत्मा बन गयी हूँ।

→ सदा सर्व आत्माओ के प्रति श्रेष्ठ कल्याण की भावना रखने वाली

- श्रेष्ठ हिम्मतवान
- बापदादा के मदद के पात्र
- सेवा स्थान के निमित्त बनी हुई
  - महान आत्मा, विशेष आत्मा बन गयी हूँ।